UP Board 10 Hindi 2024 Code : 801 (HF) Question Paper with Solutions

Time Allowed :3 Hours 15 Minutes	**Maximum Marks :**70	**Total Questions :**30

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
2. यह प्रश्नपत्र दो खंडों, खंड - अ और खंड - ब में विभक्त है ।
3. खंड - अ में 1 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर और अन्य उत्तर पत्रक पर नीले अथवा काले बाल पेन/पार्कर कलम से सही विकल्प वाले गोलों को पूर्ण रूप से काला कर छानते हुए लिखें ।
4. खंड - अ के प्रश्न का निर्देश पत्रक केवल प्रदत और प्रश्न पत्र पर ही उत्तर दें । और प्रश्न पत्र पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इन्सर्ट न करें ।
5. प्रश्न के अंक उसके समग्र अंकित हैं ।
6. खंड - ब में 50 अंक के वर्णात्मक प्रश्न हैं ।
7. खंड - ब में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही दें ।
8. प्रश्न से अंतिम कीजिए तथा अंतिम प्रश्न तक करते जाएँ जो प्रश्न न आता हो उस पर समय न कीजिए ।

(खंड क)

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल प्रसिद्ध हैं

(A) कथनी-लेखन के लिए
(B) उपन्यास-लेखन के लिए
(C) आलोचना-शास्त्र के लिए
(D) नाटक-लेखन के लिए

Correct Answer : (C) आलोचना-शास्त्र के लिए
उत्तर :
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध आलोचक थे, जिन्होंने हिंदी साहित्य के इतिहास और शास्त्र को सुव्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत किया ।

Quick Tip

साहित्यिक आलोचना में गहरी समझ और साहित्य के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने की क्षमता होती है ।

2. 'गोदान' उपन्यास के लेखक हैं

(A) यशपाल
(B) प्रेमचंद
(C) मोहन राकेश
(D) धर्मवीर भारती
Correct Answer : (B) प्रेमचंद
उत्तर :
'गोदान' के लेखक प्रेमचंद हैं, जो हिंदी साहित्य के महान उपन्यासकार माने जाते हैं । इस उपन्यास में भारतीय समाज की समस्याओं का चित्रण किया गया है ।

Quick Tip
प्रेमचंद की कृतियाँ भारतीय समाज की गहरी सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को उजागर करती हैं ।

---

3. 'नीति का निर्माण फिर' के रचनाकार हैं

(A) हरिवंश राय 'बच्चन'
(B) डॉ. राजेंद्र प्रसाद
(C) हरिप्रसाद द्विवेदी
(D) रामविलास शर्मा
Correct Answer : (A) हरिवंश राय 'बच्चन'
उत्तर :
'नीति का निर्माण फिर' के रचनाकार हरिवंश राय 'बच्चन' हैं, जिनकी काव्य रचनाएँ समाज और नीति के महत्वपूर्ण मुद्दों पर आधारित हैं । उनके काव्य में जीवन के सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों की गहरी चर्चा की गई है ।

Quick Tip
काव्य रचनाएँ समाज के नीति और संस्कृति से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालने का कार्य करती हैं ।

---

4. 'झूठा सच' उपन्यास के लेखक हैं

(A) यशपाल
(B) कमलेश्वर
(C) रवींद्रनाथ ठाकुर
(D) चतुर्सेन शास्त्री
Correct Answer : (A) यशपाल

उत्तर :
'झूठा सच' उपन्यास के लेखक यशपाल हैं, जिन्होंने इस उपन्यास में समाज के यथार्थ और नैतिक मूल्यों को चुनौती दी है । उनका लेखन आम आदमी की पीड़ा और उसके संघर्षों को केंद्रित करता है । इस उपन्यास में भारतीय समाज के बदलाव और संघर्ष की गहरी छाया है ।

Quick Tip
'झूठा सच' उपन्यास को पढ़ते समय समाज के विविध पहलुओं पर विचार करें और उनके सामाजिक प्रभावों को समझें ।

---

5. छायावाद की मुख्य प्रवृत्ति है

(A) आश्रदाताओं की प्रशंसाा
(B) रीति-नियमों का निर्माण
(C) मुहारे और प्रेम का बेतला
(D) भक्ति-भावना
Correct Answer : (A) आश्रदाताओं की प्रशंसा
उत्तर :
छायावाद की मुख्य प्रवृत्ति आश्रदाताओं की प्रशंसा है ।इस प्रवृत्ति के अंतर्गत साहित्यकार ने अपने लेखन में प्रेरणादायक और नायकत्व के तत्वों को प्रमुखता दी है ।इसे प्रेरणा और साहस के स्रोत के रूप में देखा गया है ।

Quick Tip
छायावाद में साहित्यकारों ने अपने जीवन के आदर्शों को उजागर किया और समाज को नया दृष्टिकोण देने का प्रयास किया ।

---

6. 'कलम का सिपाही' जीवनी है

(A) जयसिंह प्रसाद की
(B) प्रेमचंद की
(C) मोहन राकेश की
(D) आचार्य रामचंद्र शुक्ल की
Correct Answer : (B) प्रेमचंद की
उत्तर :
'कलम का सिपाही' जीवन प्रेमचंद का है, जो भारतीय साहित्य के महान लेखक थे । उन्होंने अपनी रचनाओं में समाज की कुरीतियों, गरीबों की स्थिति और भारतीय जनता के संघर्षों को उजागर किया । उनके साहित्य में सामाजिक न्याय और मानवीयता की गहरी समझ थी, जिससे उन्होंने समाज में जाग-रूकता लाने की कोशिश की ।

Quick Tip

प्रेमचंद की रचनाएँ भारतीय समाज के महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों और व्यक्ति की स्थिति को प्रकट करती हैं ।

---

7. 'धनानंद' किस काव्यधारा के कवि हैं ?

(A) रीतिबद्ध
(B) रीतिसिद्ध
(C) रीतिमुक्त
(D) आधुनिक काल
Correct Answer : (C) रीतिमुक्त
उत्तर :
'धनानंद' रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि हैं । इस काव्यधारा में शास्त्रों का पालन करते हुए काव्य में रूप और शैली के नियमों का समुचित उपयोग किया जाता है । धनानंद ने अपनी काव्य रचनाओं में इस काव्यधारा के सिद्धांतों का पालन करते हुए साहित्य में श्रेष्ठता और रसों का स्पष्ट चित्रण किया है ।

Quick Tip

'रीतिमुक्त' काव्यधारा का अध्ययन करते समय काव्यशास्त्र के नियमों और विचारों की प्रस्तुति पर ध्यान देना चाहिए ।

---

8. 'हंस' पत्रिका के संपादक हैं

(A) मोहन राकेश
(B) प्रेमचंद
(C) धर्मवीर भारती
(D) गुलाब राय
Correct Answer : (B) प्रेमचंद
उत्तर :
'हंस' पत्रिका के संपादक प्रेमचंद थे, जो हिंदी साहित्य के महान उपन्यासकार और कहानीकार माने जाते हैं ।

Quick Tip

प्रेमचंद की साहित्यिक कृतियाँ भारतीय समाज की गहरी जटिलताओं और समस्याओं को दर्शाती हैं ।

---

9. 'जहाज का पंछी' कृति की विधा है

(A) नाटक
(B) कहानी
(C) उपन्यास
(D) लघु कथा
Correct Answer : (C) उपन्यास
उत्तर :
'जहाज का पंजा' एक उपन्यास है । यह कृति भारतीय समाज की समस्याओं और संघर्षों को चित्रित करती है, जो उपन्यास के माध्यम से लेखक ने गहरे विचारों और भावनाओं को प्रस्तुत किया है । यह कृति मानवीय संवेदनाओं और समाज की विसंगतियों पर प्रकाश डालती है ।

Quick Tip
उपन्यास में कथानक, पात्रों और समाज की परिस्थितियों का विस्तृत चित्रण होता है, जो उसे अन्य साहित्यिक रूपों से अलग करता है ।

---

10. 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है

(A) 1942 ई.
(B) 1953 ई.
(C) 1943 ई.
(D) 1940 ई.
Correct Answer : (C) 1943 ई.
उत्तर :
'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष 1943 ई. है । यह काव्य रचना भारतीय साहित्य के महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक है, जिसमें लेखक ने समाज के विभिन्न पहलुओं पर गहरा चिंतन किया है ।

Quick Tip
काव्य रचनाओं के प्रकाशन वर्ष को जानने से हम उनके ऐतिहासिक संदर्भ और साहित्यिक योगदान को समझ सकते हैं ।

---

11. 'निर्वेद' स्थायी भाव है

(A) हास्य रस का
(B) करण रस का
(C) शान्त रस का
(D) अद्भुत रस का
Correct Answer : (C) शान्त रस का
उत्तर :
'निर्वेद' स्थायी भाव शान्त रस का है । यह रस विशेष रूप से मानसिक शांति और संतुलन का अनुभव कराता है, जो पाठक या श्रोता को आत्मिक शांति की ओर प्रवृत्त करता है ।

Quick Tip

'निर्वेद' शब्द को समझते हुए शान्त रस के भाव को पहचानें, जो शांति और संतुलन से संबंधित होता है ।

---

12. 'पीपर पात सरिस मन डोला' में अलंकार है

(A) रिलेफ अलंकार
(B) उपमा अलंकार
(C) उपेक्षा अलंकार
(D) रूपक अलंकार
Correct Answer : (B) उपमा अलंकार
उत्तर :
'पीपर पात सरिस मन डोला' में उपमा अलंकार है, क्योंकि इसमें पीपल के पत्ते और मन के बीच एक समानता स्थापित की जा रही है । यहाँ पर किसी वस्तु या गुण की तुलना से दूसरे के गुण का व्यक्तित्व किया गया है ।

Quick Tip

उपमा अलंकार में किसी वस्तु या भाव की तुलना की जाती है । ध्यान दें कि तुलना का संकेत 'की तरह', 'जैसा', 'सरिस' जैसे शब्दों से होता है ।

---

13. 'रोला' छंद में कुल चरण होते हैं

(A) दो
(B) चार
(C) तीन
(D) पाँच
Correct Answer : (B) चार

उत्तर :
'रोला' छंद में कुल चार चरण होते हैं । यह छंद हिंदी कविता की एक महत्वपूर्ण लयात्मक संरचना है, जिसमें चार चरण होते हैं, जो कविता में विशेष प्रकार की लय और संतुलन उत्पन्न करते हैं ।

Quick Tip

छंद का सही प्रयोग काव्य के लय और गहरी भावनाओं को व्यक्त करने में मदद करता है ।

---

14. 'आगमन' में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ?

(A) 'फै'
(B) 'अङ्क'
(C) 'माँ'
(D) 'आं'
Correct Answer : (D) 'आं'
उत्तर :
'आगमन' में 'आं' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है, जो संस्कृत शब्दों में एक विशेष ध्वनि परिवर्तन का प्रतीक है । यह उपसर्ग शब्दों की लय और अर्थ में एक विशिष्टता जोड़ता है ।

Quick Tip
उपसर्ग का सही चयन शब्द के अर्थ और व्याकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।

---

15. 'भलाई' में प्रत्यय है

(A) भला
(B) ई
(C) आई
(D) इनमें से कोई नहीं
Correct Answer : (C) आई
उत्तर :
'भलाई' शब्द में 'आई' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है, जो क्रिया से संबंधी संज्ञाओं को व्यक्त करने के लिए उपयोग किया जाता है । यह प्रत्यय एक सकारात्मक गुण या विशेषता को दर्शाता है ।

Quick Tip
प्रत्यय का सही उपयोग शब्द के अर्थ और उसके व्याकरणिक रूप को स्पष्ट करता है ।

---

16. 'नीलाम्बर' में कौन-सा समास है ?

(A) द्वंद
(B) द्विगु
(C) कर्मधारय
(D) बहुव्रीहि
Correct Answer : (C) कर्मधारय
उत्तर :
'नीलाम्बर' में 'कर्मधारय' समास का प्रयोग हुआ है, जिसमें पहला भाग विशेषण होता है और दूसरा भाग संज्ञा के रूप में कार्य करता है । इस समास में दोनों शब्द मिलकर एक नए अर्थ को उत्पन्न करते हैं ।

Quick Tip

कर्मधारय समास में दो शब्दों का संयोजन होता है, जिसमें पहला शब्द विशेषण और दूसरा शब्द संज्ञा होता है ।

---

17. 'आम' का तद्सम है

(A) आम्ब
(B) आम्र
(C) अम्बु
(D) अम्म
Correct Answer : (B) आम्र
उत्तर :
'आम्र' एक तद्सम शब्द है जो संस्कृत से लिया गया है और हिंदी में प्रचलित है । यह शब्द संस्कृत के 'आम्' से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है 'आम फल' ।

Quick Tip

तद्सम शब्द वे होते हैं जो अन्य भाषाओं से उत्पन्न होकर अपनी भाषा में समान अर्थ के साथ इस्तेमाल होते हैं ।

---

18. 'कर्तुवाच्य' में प्राथमिकता होती है

(A) कर्ता की
(B) कर्म की
(C) भाव की
(D) इनमें से कोई नहीं
Correct Answer : (A) कर्ता की
उत्तर :
'कर्तुवाच्य' शब्द का मतलब होता है जो काम किसी व्यक्ति से अपेक्षित होता है, यानी उसका कार्य या दायित्व । यह कर्ता की प्राथमिकता है क्योंकि यह उस व्यक्ति के कार्य को निर्धारित करता है ।

Quick Tip

'कर्तुवाच्य' शब्द हमेशा कार्यकर्ता और उसके द्वारा किए जाने वाले काम को संदर्भित करता है, जो व्यक्ति के दायित्वों को तय करता है ।

---

19. 'ताभ्यः' शब्द में वचन और विभक्ति है

(A) छः विभक्ति, एकवचन

(B) सभी विभक्ति, द्विवचन
(C) छः विभक्ति, बहुवचन
(D) कुछी विभक्ति, बहुवचन
Correct Answer : (A) छः विभक्ति, एकवचन
उत्तर :
'ताभ्यः' शब्द में छः विभक्ति के साथ एकवचन रूप में प्रयुक्त होता है, जैसा कि सामान्य संस्कृत शब्दों में होता है । यह विभक्ति और वचन का संयोग है, जो वाक्य के संदर्भ में प्रयोग होता है ।

Quick Tip
शब्दों के विभक्ति और वचन का सही रूप समझने से वाक्य निर्माण में मदद मिलती है । यह संस्कृत व्याकरण के महत्वपूर्ण पहलू हैं ।

---

20. निम्नलिखित में सर्वनाम है

(A) काला
(B) धोड़ा
(C) वह
(D) लड़का
Correct Answer : (C) वह
उत्तर :
'वह' शब्द सर्वनाम है, जो किसी व्यक्ति या वस्तु को संदर्भित करने के लिए प्रयोग किया जाता है ।

Quick Tip
सर्वनाम का उपयोग किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के स्थान पर किया जाता है, जिससे वाक्य संक्षिप्त होते हैं ।

खंड - 'ब'
वर्णनात्मक प्रश्न

1. निम्नलिखित गाथाओं पर आधारित दिए गए तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बुद्ध के इस जन्म की घटनाएँ तो इन लिखित कथाओं में हैं ही, उनके पिछले जन्मों की कथाओं का भी इसमें चित्रित हुआ हैं । पिछले जन्म की ये कथाएँ 'जातक' कहलाती हैं । उनकी संख्या 555 है और इनका संदर्भ 'जातक' नाम से प्रसिद्ध है, जिनका बोलना भी बड़ा माने जाता है । इनही जातक कथाओं में उनके अंशों के गुणों में विस्तार के साथ लिख दी गई हैं । इन पिछले जन्मों में बुद्ध ने गज़, कपि, मृग आदि के रूप में विभिन्न योनियो ने जन्म लिया था और संसार के कल्याण के लिए दया और त्याग का आदर्श स्थापित करते, वे बलिदान हो गए थे ।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।
उत्तर : यह गद्यांश 'वसुन्धरा' से लिया गया है, जिसे लेखक भगवतीचरण वर्मा ने लिखा है । इसमें धरती

के खनिज संसाधनों और प्राकृतिक संपदाओं का वर्णन किया गया है, जो मानवता की उन्नति में सहायक होते हैं । इनकी महत्ता को समझना जरूरी है ।

Quick Tip
गद्यांश का संदर्भ समझते वक्त लेखक के दृष्टिकोण और संदेश को ध्यान से पढ़ें ।

---

(2) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर : रेखांकित अंश का अर्थ है कि धरती में पाई जाने वाली खनिज संपदाएँ, जो पहले अनमोल नहीं दिखतीं, सही उपयोग से अमूल्य बन जाती हैं । इनका इस्तेमाल न केवल सौंदर्य में, बल्कि राष्ट्र के विकास में भी किया जाता है ।

Quick Tip
रेखांकित अंश को समझते समय उसकी गहरी अर्थवत्ता को पहचानने की कोशिश करें ।

---

(3) 'जातक' कहां से आते हैं ?

उत्तर :

'जातक' कथाएँ बौद्ध धर्म से आती हैं, जो भगवान बुद्ध के पूर्व जन्मों की घटनाओं को वर्णित करती हैं । इनमें नैतिक शिक्षा और जीवन के उपयोगी सिद्धांतों का विस्तार से विवरण होता है । इनका अध्ययन जीवन को बेहतर बनाने में सहायक है ।

Quick Tip
जातक कथाओं को समझने से हमें जीवन के नैतिक पाठ मिलते हैं जो व्यावहारिक जीवन में काम आते हैं ।

अथवा

रोहतास-दुर्ग के प्रकोष्ठ में बैठी हुई युवती ममता, शोक के तीव्र गम्भीर प्रवाह को देख रही है । ममता विषय थी । उसका योग्य शोक के समान ही उफर रहा था । मन में वेदना, मस्तक में आँसू, आँखों में पानी का बस्तात लिए, वह सुख के कंकण-शयन में बिलकुल थी । वह रोहतास दुर्गिन के मंत्री जुड़ानी की अकेली दु:खिता थी, फिर उसके लिए कुछ अभाव होना असम्भव था, परंतु, वह विषय थी । हिन्दू-विषय संसार में सबसे उत्कृष्ट मिश्रित प्राणी है - तब उसकी विद्वत्ता का अनतर था ?

(1) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

उत्तर :
यह गद्यांश एक युवती ममता की भावनाओं का चित्रण है, जो शांति के प्रवाह को देखकर विकल होती है । यह कहानी उसकी स्थिति और आंतरिक संघर्ष को दर्शाती है, जो उसे अपने दृष्टिकोण के बीच में पाती है ।

Quick Tip
गद्यांश में चरित्र के मानसिक और भावनात्मक संघर्ष को समझना महत्वपूर्ण है, इससे लेखक की कला और उद्देश्य को बेहतर समझा जा सकता है ।

---

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर :
रेखांकित अंश में युवती ममता के मन की स्थिति को व्यक्त किया गया है । उसकी स्थिति में वेदना और दुख की हलचल दिखाई देती है, और यह गहरी भावनाओं और शांति के साथ जुड़ी हुई एक मानसिक कष्टप्रद अवस्था का रूप है ।

Quick Tip
अंश की व्याख्या करते समय लेखक के भावनात्मक चित्रण और उसकी मानसिक स्थिति को समझने का प्रयास करें ।

---

(3) गद्यांश के आधार पर संसार में सबसे प्रमुख विचारधारा मानी गई है ?

उत्तर :
गद्यांश के आधार पर, हिंदू-विज्ञान संस्कार में सबसे प्रमुख विचारधारा मानी गई है, जो जीवन के संघर्ष, शांति, और भावनाओं के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करती है । यह विचारधारा हमें मानसिक शांति और संतुलन का महत्वपूर्ण संदेश देती है ।

Quick Tip
संसार में प्रमुख विचारधाराओं को समझने के लिए उनके सामाजिक और मानसिक पहलुओं का ध्यानपूर्वक विश्लेषण करना ज़रूरी है ।

---

2. दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

पद्यांश :

सुनि सुंदर बैन सुस्वाद साने सयाना है जानकी जानी भली !
तिसरे कर नैण, दे सैन, तिनहे, सुम्रू कहु मुस्कान चली !
दुलसी और राही संवे अवस्थलों की खोज लाई अगल ।
अपर टाँग सँग सिखा विन्सत मन के मखु क़े सम फलैज !!

(1) उपर्युक्त पद्यांश का स्रोत और कवि का नाम लिखिए ।

उत्तर :
यह पद्यांश 'दुलसी' नाम से लिया गया है । इस कविता को **सुमित्रानंदन पंत** द्वारा लिखा गया था ।

Quick Tip
पद्यांश की सही समझ के लिए उसके लेखक और इसके संदर्भ को समझना अनिवार्य होता है ।

---

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर :
रेखांकित अंश का तात्पर्य यह है कि प्रेम का सर्वोत्तम रूप और उसमें सच्ची भावना का प्रतिनिधित्व तब होता है, जब मनुष्य आत्मा में निहित प्रेम के प्रवाह से प्रेरित हो और एक दूसरे से समर्पण की भावना से जुड़ जाए । इसके द्वारा, व्यक्ति प्रेम और प्रगति की नई दिशा में प्रवेश करता है ।

Quick Tip
प्रेम का सही रूप वह होता है, जो आत्मा से जुड़ा होता है, और वह समर्पण और दया की भावना से उत्पन्न होता है ।

---

(3) 'अवस्थाएँ' तथा 'मनु मंजुल कनक क़लि' में कौन सा अलंकार है ?

उत्तर :
इसमें **उपमा अलंकार** का प्रयोग हुआ है । यहाँ 'अवस्थाएँ' को 'मनु मंजुल कनक क़लि' के रूप में चित्रित किया गया है, जिसमें प्रेम और आत्मा के जुड़ाव की सुंदरता का स्पष्ट संकेत किया गया है ।

Quick Tip
काव्य में उपमा अलंकार का प्रयोग प्राकृतिक या अन्य तत्वों को मानव भावनाओं के साथ जोड़ने के लिए किया जाता है ।

---

2. दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

पद्यांश :

सच्चा प्रेम वही है जिसकी
तुम आत्मवलित बन हो निरंतर ।
त्याग बिना निरंतर प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण न्योछावर ।
देश प्रेम वह प्रमुख क्षेत्र है,
अंतर्म आत्मीय प्रेम से विलसित ।
आत्मा के विकास से जिसे
मात्रव्यथा होती है विकसित ।

(1) उपर्युक्त पद्यांश के स्रोत एवं कवि का नाम लिखिए ।

उत्तर :
यह पद्यांश **'प्रेम और त्याग'** शीर्षक से लिया गया है, और इसके कवि **सुमित्रानंदन पंत** हैं ।

Quick Tip
किसी भी पद्यांश को समझने के लिए उसके स्रोत और लेखक की शैली को समझना आवश्यक होता है ।

---

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

उत्तर :
रेखांकित अंश का तात्पर्य यह है कि सच्चा प्रेम तब होता है जब व्यक्ति आत्मा से जुड़कर निरंतरता से प्रेम करता है । प्रेम बिना त्याग के संभव नहीं है ; यदि व्यक्ति सच्चे प्रेम के साथ किसी के लिए अपना जीवन न्योछावर कर देता है, तो वह उच्चतम प्रेम है । यह प्रेम देश, समाज और आत्मा से जुड़ा होता है और व्यक्ति के अंतर्मन में गहराई से फलता-फूलता है ।

Quick Tip
प्रेम की गहरी समझ केवल तभी हो सकती है जब हम इसे आत्मिक और मानसिक दृष्टिकोण से देखें ।

---

(3) प्रस्तुत पद्यांश में किसके प्रेम पर प्राण न्योछावर करने की बात कही गई है ?

उत्तर :
प्रस्तुत पद्यांश में **देश प्रेम** के प्रति प्राण न्योछावर करने की बात कही गई है । यहाँ प्रेम का सर्वोत्तम रूप देश के प्रति प्रेम के रूप में दिखाया गया है । यह दर्शाता है कि जब व्यक्ति का प्रेम राष्ट्र के लिए

होता है, तब उसे सर्वोत्तम प्रेम माना जाता है ।

Quick Tip
देश प्रेम में अपने राष्ट्र की प्रगति और सम्मान के लिए अपने जीवन का बलिदान करना सर्व-श्रेष्ठ रूप होता है ।

---

3. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का संदर्धन-सहित हिंदी में अनुवाद कीजिए :

वाराणस्यां प्राचीनकालादेव गेहे गेहे विधाया : दियं ज्योति : घोर्ते । अथुनादिषि अन्न संस्कृतवाण्या सतं प्रवहति, जनाना ज्ञानं बर्ध्यति । अस्त्र अन्ये आवाह : मूर्धा : विदार : वैदिकालायमसर्य अध्ययनं अ-धिव्यापने च इदनीं मिस्ता : । न केवल भारतीय : अभिवि द्वेकर : गणिंगण्यां अध्ययनम् अस्त्र आगमकं, निष्कुतं च विंशि मुठिनि । अस्त्र हिन्दूविषविधालय :, संस्कृत विधविधालय :, काशी विदविन्दं अस्त्रत्य : विश्वविद्यालय : सति, येऊ नवीनां ज्ञानविज्ञानं ज्ञानविज्ञानं अध्ययनं प्रदलित : ।

(1) उपर्युक्त संस्कृत गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

उत्तर :
वाराणसी में प्राचीन काल से ही विद्या का उजियाला बढ़ रहा है । संस्कृत भाषा और शिक्षा का प्रवाह बढ़ता जा रहा है । इस कारण से ज्ञान की प्राप्ति में वृद्धि हो रही है । यहाँ पर अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय स्थल बने हैं । न केवल भारत में, बल्कि विदेशी विद्वान भी यहाँ शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते हैं । यहाँ हिन्दू विश्वविद्यालय, संस्कृत विश्वविद्यालय और काशी विश्वविद्यालय स्थित हैं, जो ज्ञान और विज्ञान का गहरा अध्याय प्रस्तुत करते हैं ।

Quick Tip
संस्कृत गद्यांश का अनुवाद करते समय, शब्दों के गहरे अर्थों और उनके संदर्भ को समझने का प्रयास करें ।

अथवा

'विश्ववर्ग मध्य ईश्वर : एक' इति भारतीयसंस्कृते : मूलम् । विमुक्तिवातलाभिं : विधिविद्वयी : नामी : एकं ऐश्वर्य भजनं । अमिन :, इन्द्र :, कृष्ण :, कर्ता : राम :, रेव :, जिन :, बुद्ध :, विक्रम :, शेष्मी अत्रियानि नाम।

OR) उपर्युक्त संस्कृत गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए ।

उत्तर : 'विश्ववर्ग मध्य ईश्वर : एक' का अर्थ भारतीय संस्कृति में मूल सिद्धांत है । यह सिद्धांत एकता और ऐश्वर्य की ओर ले जाता है । यह उन महान विभूतियों का प्रतिनिधित्व करता है, जो दुनिया को एकता की ओर ले जाने में प्रेरित करती हैं । यहाँ पर इन्द्र, कृष्ण, राम, रेव, जिन, बुद्ध, विक्रम और शेष्मी जैसे

महान नाम शामिल हैं, जिनका योगदान विश्व में महत्वपूर्ण रहा है ।

Quick Tip
जब भी संस्कृत गद्यांश का अनुवाद करें, तो ध्यान रखें कि शब्दों का सही संदर्भ और उद्देश्य समझा जाए ।

---

4. दिए गए संस्कृत पद्यांश में से किसी एक का क्रमबद्ध सही हिंदी में अनुवाद कीजिए :
पद्यांश :

बन्धनं मरं वाचं जयो वाचं पारज : ।
उद्धृत्य सर्वे वीर : वीर भावे हि वीरता । ।

उत्तर : इस संस्कृत पद्यांश का अर्थ है - "जो अपने शब्दों से बंधन को तोड़ता है और अपने वचनों से विजय प्राप्त करता है, वह वास्तव में वीर है । और जो वीरता के भाव में वीरता दिखाता है, वही सच्चा वीर कहलाता है ।"

1. उपर्युक्त संस्कृत शेर का हिंदी अनुवाद : "वह वीर होता है जो अपने वचन से बांधने वाले बंधनों को तोड़ देता है और अपने विचारों से जीत का रास्ता दिखाता है । हर वह व्यक्ति जो साहस और वीरता से भरा होता है, वीर कहलाता है ।"
सुझाव :

Quick Tip
संस्कृत शेरों के अनुवाद में शब्दों के भावार्थ को समझने की आवश्यकता है । उनके सही अर्थ को पकड़ने से अनुवाद में सही उत्तर मिल सकता है ।

अथवा

पद्यांश :
OR.

सार्थ : प्रवस्तति मित्रं भ्रातृं मित्रं गृहं सत : । आतुरस्य विषं मित्रं दानं मित्रं मर्यं कुवत ।

उत्तर :
इस संस्कृत पद्यांश का अर्थ है :
"जो मित्र परिवार की तरह अपने भाई के समान होता है, वही सच्चा मित्र कहलाता है । और जो विष को अपने मित्र के लिए पीने को तैयार होता है, वही सच्चे मित्र का उदाहरण प्रस्तुत करता है ।"

2. हिंदी अनुवाद :
"सच्चा मित्र वही होता है जो हमारे लिए भाई की तरह सच्चा होता है और जो मुश्किल समय में हमारे साथ खड़ा रहता है । जो अपने मित्र के लिए विष को भी पीने को तैयार होता है, वही असली मित्र है ।"

सुझाव :

Quick Tip
संस्कृत के इन शेरों में मित्रता और सच्चे रिश्ते को व्यक्त किया गया है । सही भावार्थ को पकड़ने से यह अनुवाद आसानी से किया जा सकता है ।

---

5. अपने पठन अध्ययन के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(क) (1) **'मुक्ति' काव्य के आधार पर अंग्रेजी शासन के विरोध में महात्मा गांधी द्वारा किए गए जन आंदोलनों का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर :
'मुक्ति' काव्य में अंग्रेजी शासन के विरोध में महात्मा गांधी द्वारा किए गए जन आंदोलनों का विस्तार से वर्णन किया गया है । इसमें सत्याग्रह, असहमति और अहिंसा के सिद्धांतों के तहत भारतीय जनता की संघर्षशीलता और गांधी जी के नेतृत्व में सामूहिक संघर्षों का चित्रण किया गया है । इस काव्य में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की जीवंत छवि और उसमें भागीदार जन आंदोलन की महत्वपूर्ण घटनाओं का समावेश है ।

Quick Tip
गांधी जी के आंदोलनों को समझने के लिए 'मुक्ति' काव्य को ऐतिहासिक संदर्भों के साथ पढ़ना चाहिए ।

---

(2) **'मुक्ति' काव्य के किसी एक काव्य शास्त्र का सारांश लिखिए ।**

उत्तर :
'मुक्ति' काव्य में काव्यशास्त्र के सिद्धांतों का पालन करते हुए लेखक ने गांधीवादी विचारधारा का विस्तार किया है । काव्य में सत्य, अहिंसा और स्वराज के सिद्धांतों को प्रमुख रूप से प्रस्तुत किया गया है । इसे एक ऐसे काव्य के रूप में रचनात्मक रूप से देखा जाता है जो एक ऐतिहासिक आंदोलन और उसके सामाजिक सन्दर्भ को दर्शाता है ।

Quick Tip
काव्यशास्त्र का सारांश देने के लिए उसकी थीम और लेखक के दृष्टिकोण को ध्यान में रखना चाहिए ।

(ख)(1) **'स्वीति जवाहर' काव्य के कथनात्मक संदर्भ में लिखिए ।**

उत्तर :
'स्वीति जवाहर' काव्य में कवि ने राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता के संघर्ष में जवाहरलाल नेहरू के योगदान को प्रमुख रूप से चित्रित किया है । इसमें उनके विचारों और नेतृत्व की क्षमता का वर्णन किया गया है, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरणास्त्रोत बने ।

Quick Tip
काव्य के कथनात्मक संदर्भ को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक और सामाजिक परिप्रेक्षय का अध्ययन करें ।

---

(2) **'स्वीति जवाहर' काव्य में कवि ने स्मारक अशोक के गुणों का वर्णन कैसे किया है ?**

उत्तर :
'स्वीति जवाहर' काव्य में कवि ने सम्राट अशोक के गुणों का चित्रण किया है, जैसे उनके महान विजयी चरित्र, बुद्ध धर्म की ओर झुकाव, और सम्राट की नीतियों में धार्मिक सहिष्णुता को प्रमुखता से दर्शाया गया है । यह काव्य उनके सम्राट के रूप में उपदेशक और धर्मनिष्ठ नेता के रूप में चित्रित करता है ।

Quick Tip
सम्राट अशोक के गुणों को समझने के लिए उनके सम्राट बनने से लेकर उनके धर्म परिवर्तन तक के ऐतिहासिक घटनाक्रम का अध्ययन करें ।

(ग) (1) **'महात्मा मुक्ति' हड़ताली के दिव्य शब्द 'दीनलाल' की कथात्मक संक्षेप में लिखिए ।**

उत्तर :
'महात्मा मुक्ति' हड़ताली के शब्द 'दीनलाल' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के संघर्ष और उनके द्वारा जन जागृति लाने का प्रतीक है । यह शब्द उन भारतीयों को संदर्भित करता है जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ विरोध और संघर्ष किया । गांधीजी के नेतृत्व में यह शब्द एक आंदोलन का प्रतीक बन गया जो भारतीयों को एकजुट करने के उद्देश्य से था ।

Quick Tip
'दीनलाल' शब्द भारतीय संघर्ष और महात्मा गांधी के नेतृत्व में किए गए आंदोलनों की प्रेरणा का प्रतीक है ।

---

(2) **'महात्मा मुक्ति' हड़ताली के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।**

उत्तर :
'महात्मा मुक्ति' हड़ताली में नायक के रूप में महात्मा गांधी का चरित्र चित्रित किया गया है । वह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे । उनके संघर्षों ने भारत के जनमानस को जागरूक किया और भारतीय जनता को स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए प्रेरित किया । उनका नेतृत्व सत्य, अहिंसा और आत्मनिर्भरता पर आधारित था ।

Quick Tip
महात्मा गांधी का चरित्र सत्य, अहिंसा और समाज के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक था, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

(घ) (1).**'अर्पण' हड़ताली के 'आन्दोलन' का कमान का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।**

उत्तर :
'अर्पण' हड़ताली में 'आन्दोलन' का कमान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक सक्रिय भाग के रूप में प्रस्तुत किया गया है । इसमें भारत के लोगों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ एकजुट होकर विरोध किया और स्वतंत्रता की ओर कदम बढ़ाए । यह आंदोलन भारतीयों की जागरूकता और संघर्ष का प्रतीक बन गया । इसके माध्यम से लोगों ने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ संघर्ष किया ।

Quick Tip
'आन्दोलन' का कमान एकजुटता, संघर्ष और भारतीय जनता की चेतना को दर्शाता है, जो स्वतं-त्रता के लिए उठ खड़ी हुई थी ।

---

(2) **'अर्पण' हड़ताली के आधार पर श्री कृष्ण का चरित्र-विवरण कीजिए ।**

उत्तर :
'अर्पण' हड़ताली में श्री कृष्ण का चरित्र भारतीय संस्कृति और धार्मिक विचारों का प्रतीक है । श्री कृष्ण का चरित्र उनके नीति, प्रेम और भक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया है । वे एक कुशल योद्धा, नीति के जानकार और भक्तों के प्रति समर्पित देवता के रूप में चित्रित होते हैं । उनका जीवन संघर्ष और शांति का अद्भुत मिश्रण है, जो भारतीय संस्कृति का मार्गदर्शन करता है ।

Quick Tip
श्री कृष्ण का चरित्र भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक धारा का केंद्र है, जो प्रेम, भक्ति, और नीति के आदर्शों से भरा हुआ है ।

(ङ) (1) **'जय सुभा' हड़ताली में बनित 'आज़ाद हिंद सेना' के गठन की घटना का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर :
'जय सुभा' हड़ताली में 'आज़ाद हिंद सेना' का गठन नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने किया । यह सेना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण कदम थी, जो विशेष रूप से भारतीयों को ब्रिटिश साम्राज्य से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से गठित की गई थी । नेताजी ने इस सेना को संगठित किया और भारतीय राष्ट्रीयता को जागरूक करने के लिए विभिन्न संघर्षों में हिस्सा लिया । यह सेना स्वतंत्रता संग्राम का एक मजबूत हिस्सा बन गई थी ।

Quick Tip
'आज़ाद हिंद सेना' का गठन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जो नेताजी सुभाष चंद्र बोस की नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है ।

---

(2) **'जय सुभा' हड़ताली के नायक 'सुभाष चंद्र बोस' के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर :
'जय सुभा' हड़ताली में सुभाष चंद्र बोस का चरित्र एक दृढ़, साहसी और प्रेरणादायक नेता के रूप में प्रस्तुत किया गया है । उनका नेतृत्व भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बहुत प्रभावशाली था । बोस ने अपनी सेना 'आज़ाद हिंद सेना' का गठन किया और भारतीय स्वतंत्रता के लिए निरंतर संघर्ष किया । उनके साहस, संघर्ष और नेतृत्व ने भारतीयों को एकजुट किया और स्वतंत्रता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया ।

Quick Tip
सुभाष चंद्र बोस का चरित्र एक प्रेरणा है, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनकी अदम्य साहस और संघर्षशीलता को दर्शाता है ।

(च) (1).**'मातृभूमि के लिए' हड़ताली के दिव्य शब्द 'संघर्ष' का सारांश लिखिए ।**

उत्तर :
'मातृभूमि के लिए' हड़ताली में 'संघर्ष' शब्द का महत्व भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में व्यक्त किए गए बलिदान और संघर्ष को प्रकट करता है । यह शब्द उन वीरों के संघर्षों का प्रतीक है जिन्होंने अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी । यह संघर्ष स्वतंत्रता की प्राप्ति के लिए एक प्रेरणा बन गया है ।

Quick Tip

'संघर्ष' शब्द स्वतंत्रता संग्राम में किए गए कड़े संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है, जो भारतीय स्वतंत्रता की ओर बढ़ने के लिए अनिवार्य था ।

---

(2) **'मातृभूमि के लिए' हड़ताली के आधार पर 'दुराचार आजाद' का चित्र-विवरण कीजिए ।**

उत्तर :
'मातृभूमि के लिए' हड़ताली में 'दुराचार आजाद' का चित्र-विवरण उन व्यक्तियों का है, जिन्होंने अपनी मातृभूमि की सेवा में अपने आपको समर्पित किया । उनका चरित्र देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्षशील था और उन्होंने अपने आदर्शों के लिए कड़ा संघर्ष किया । उनका जीवन बलिदान और आत्मसमर्पण का प्रतीक है ।

Quick Tip

'दुराचार आजाद' का चित्र-विवरण भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संघर्षशील और बलिदान की भावना को व्यक्त करता है ।

(छ) (1). **'कर्ण' हड़ताली के तत्त्व से 'श्री कृष्ण' और कर्ण के संवाद की कथात्मक संक्षेप में लिखिए ।**

उत्तर :
'कर्ण' हड़ताली के तत्त्व में 'श्री कृष्ण' और कर्ण के संवाद का सारांश महाभारत के युद्ध से जुड़ा हुआ है । श्री कृष्ण ने कर्ण से अपने कृत्य के बारे में बात की और उन्हें अपने कर्मों के परिणामों से अवगत कराया । कर्ण ने भगवान श्री कृष्ण की सलाह को मानते हुए अपने कर्मों का पछतावा किया, लेकिन नियति के प्रति उनका आस्था दृढ़ था ।

Quick Tip

'श्री कृष्ण' और कर्ण का संवाद उनके कर्म और उनके जीवन के संघर्षों के महत्व को दर्शाता है, जो महाभारत के युद्ध में महत्वपूर्ण था ।

---

(2) 'कर्ण' हड़ताली के नायक का चरित्र-विवरण कीजिए ।

उत्तर :
'कर्ण' हड़ताली में कर्ण का चरित्र एक महान योद्धा के रूप में चित्रित किया गया है । वह बल, साहस और निष्ठा का प्रतीक थे । कर्ण का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था और उन्होंने हमेशा अपने आदर्शों और अपने कर्तव्यों का पालन किया । उनका चरित्र निष्ठा, धर्म और युद्ध की कला का प्रतीक है ।

Quick Tip
कर्ण का चरित्र संघर्ष, निष्ठा और कर्मयोग का प्रतीक है, जो महाभारत के युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाता है ।

(ज) (1).**'कमलविर भरत' हड़ताली के किसी एक कर्म का सारांश लिखिए ।**

उत्तर :
'कमलविर भरत' हड़ताली में भरत के महान कर्तव्यों और उनके संघर्षों का उल्लेख है ।वह अपने साम्राज्य की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते थे और अपने देश के प्रति उनका समर्पण अडिग था ।उनका चरित्र भारतीय आदर्शों और संस्कृति का प्रतीक था, जो राष्ट्र की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध था ।

Quick Tip
भरत का चरित्र उनके देश के प्रति समर्पण और संघर्ष के उच्चतम आदर्शों का प्रतीक है ।

---

(2) 'कमलविर भरत' हड़ताली के आधार पर 'भरत' का चरित्र-विवरण कीजिए ।

उत्तर :
'कमलविर भरत' हड़ताली में भरत का चरित्र एक महान और निष्कलंक नायक के रूप में प्रस्तुत किया गया है ।उन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और हमेशा अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहे ।उनका जीवन देश के प्रति निष्ठा, संघर्ष और परिश्रम का आदर्श था ।

Quick Tip
'भरत' का चरित्र समर्पण, निष्ठा और कर्तव्य के उच्चतम आदर्शों का प्रतीक है ।

---

(2) 'कमलविर भरत' हड़ताली के किसी एक कर्म का सारांश लिखिए ।

उत्तर :
'कमलविर भरत' हड़ताली में भरत के महान कर्तव्यों और उनके संघर्षों का उल्लेख है ।वह अपने साम्राज्य की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहते थे और अपने देश के प्रति उनका समर्पण अडिग था ।उनका चरित्र भारतीय आदर्शों और संस्कृति का प्रतीक था, जो राष्ट्र की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध था ।

Quick Tip
भरत का चरित्र उनके देश के प्रति समर्पण और संघर्ष के उच्चतम आदर्शों का प्रतीक है ।

6(क) दिये गए लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उसकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए ।

(1). **जयरामकृष्ण प्रसाद**

उत्तर :
जयरामकृष्ण प्रसाद हिंदी साहित्य के एक प्रसिद्ध लेखक, निबंधकार और समाज सुधारक थे । उनका जन्म 19वीं शताबदी में हुआ था । वे विशेष रूप से हिंदी निबंध लेखन के लिए प्रसिद्ध थे । उनकी रचनाएँ समाज के सुधार और सामाजिक समस्याओं पर आधारित होती थीं । वे समाज के भीतर छुपी असमानताओं और कुरीतियों के खिलाफ लेखन करते थे । उनके योगदान से हिंदी साहित्य को नई दिशा मिली ।

Quick Tip
जयरामकृष्ण प्रसाद की रचनाओं का समाज सुधारक दृष्टिकोण ध्यान से पढ़ें, क्योंकि उनका साहित्य समाज की समस्याओं को उजागर करने में महत्वपूर्ण था ।

---

(2) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

उत्तर :
आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध आलोचक, निबंधकार और साहित्यकार थे । उनका जन्म 1884 में हुआ था । शुक्ल जी ने हिंदी साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, और विशेष रूप से हिंदी आलोचना के विकास में उनका बहुत बड़ा हाथ था । उन्होंने अपने लेखों और समीक्षाओं के माध्यम से साहित्य की गहरी समझ दी । उनका प्रमुख कार्य "हिंदी साहित्य का इतिहास" है, जो हिंदी साहित्य के अध्ययन का एक अहम स्रोत बन गया ।

Quick Tip
आचार्य रामचंद्र शुक्ल के लेखन को आलोचनात्मक दृष्टिकोण से समझें, क्योंकि उन्होंने साहित्य की गहराई में जाकर उसकी समीक्षा की थी ।

---

(3) डॉ. भगवतदर्शन उपाध्याय

उत्तर :
डॉ. भगवतदर्शन उपाध्याय हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध विद्वान और शोधकर्ता थे । उनका जन्म 20वीं शताबदी में हुआ था । वे भारतीय संस्कृति और साहित्य के एक प्रमुख शोधकर्ता थे, और उनके द्वारा किए गए शोध कार्यों ने हिंदी साहित्य को नई दिशा दी । डॉ. उपाध्याय ने भारतीय भाषाओं और साहित्य का व्यापक अध्ययन किया और भारतीय साहित्य की विविधता को पाठकों के सामने रखा । वे हिंदी

साहित्य के प्रचारक और शिक्षाविद थे ।

Quick Tip
डॉ. भगवतदर्शन उपाध्याय के साहित्यिक योगदान को समझने के लिए उनके शोध कार्यों का अध्ययन करें ।

(ख) **निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उसकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए :**
(1) महाकवि सूरदास

उत्तर :
महाकवि सूरदास हिंदी साहित्य के महान भक्त कवि थे, जिन्होंने भगवान श्री कृष्ण के बाल रूप और उनके प्रेम को अपनी कविताओं में खूबसूरती से व्यक्त किया । सूरदास का जन्म 1478 के आसपास हुआ था, और वे भक्ति काल के प्रमुख कवि माने जाते हैं । सूरदास की रचनाएँ शुद्ध भक्ति भाव और भगवान श्री कृष्ण के प्रति अत्यधिक प्रेम की अभिव्यक्ति हैं । उनकी प्रमुख रचनाएँ 'सूरसागर' और 'सूरसार' हैं ।

Quick Tip
महाकवि सूरदास की रचनाओं को भक्ति भावना से पढ़ें, जिससे उनकी कृष्ण भक्ति और प्रेम के प्रति अनन्य श्रद्धा का अनुभव हो सके ।

---

(2) सुन्नमन्नदन पंत

उत्तर :
सुन्नमन्नदन पंत हिंदी के प्रसिद्ध कवि, निबंधकार और साहित्यकार थे । वे खासतौर पर 'प्रकृति' और 'काव्य-रचना' के बीच संबंधों पर गहरी नजर रखते थे । उनका लेखन अत्यधिक वैज्ञानिक था, जिसमें उन्होंने शास्त्रीय और पारंपरिक भारतीय काव्यशास्त्र को गहरे रूप से समझा और उसे साहित्य के संदर्भ में प्रस्तुत किया । उन्होंने हिंदी काव्यशास्त्र की विस्तृत व्याख्या दी । उनका कार्य भारतीय काव्य और साहित्य के शास्त्र को मजबूत करने वाला था ।

Quick Tip
किसी भी कवि के कार्य को समझने के लिए उनके साहित्यिक दृष्टिकोण को जानना ज़रूरी होता है ।

---

(3) बिहारी लाल

उत्तर :
बिहारी लाल हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध कवि और विशेष रूप से प्रेम-गीतों के कवि थे । वे 'सातरा सप्तक' में विशेष रूप से विख्यात हुए । बिहारी लाल की कविताएँ एक नए प्रकार की भाषा और विचारधारा का प्रतीक हैं, जो सामाजिक प्रेम और सुंदरता के लिए जागरूक करती हैं । उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ 'बिहारी सतसई' और 'प्रेम रचनाएँ' हैं । उनके गीतों में मानवता, प्रेम और सौंदर्य का उत्कर्ष देखने को मिलता है ।

Quick Tip
बिहारी लाल की कविताओं में विशेष ध्यान प्रेम और सौंदर्य के मध्य संबंधों पर केंद्रित होता है ।

---

7. अपनी पाठ्यपुस्तक में से कोई एक रचनात्मक लेखन जो इस प्रश्न में न आया हो लिखिए ।

उत्तर :
मैंने "समाज में बदलाव" विषय पर रचनात्मक लेखन चुना है । समाज में बदलाव की आवश्यकता समय-समय पर महसूस होती है । जब समाज में असमानताएँ, भेदभाव और अन्याय बढ़ जाते हैं, तब समाज के प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य बनता है कि वह बदलाव के लिए आवाज उठाए । बदलाव केवल बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि हमारे सोचने और व्यवहार करने के तरीके से भी आता है । हमें अपने समाज में शिक्षा, समानता, और भाईचारे का प्रचार करना चाहिए, ताकि एक सकारात्मक और समृद्ध समाज का निर्माण हो सके । इस लेखन में समाज के विभिन्न पहलुओं पर विचार किया गया है और यह बताया गया है कि समाज में बदलाव लाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ।

Quick Tip
समाज में बदलाव लाने के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता होती है ।

---

8. निम्नलिखित में से किसी दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :

(1) गृह से मिंह कीम् ?

उत्तर :
गृह से मिंह : "गृहं प्रतिष्ठितं अस्ति ।"

Quick Tip
संस्कृत में संज्ञाओं, क्रियाओं, और विशेषणों का सही प्रयोग करना महत्वपूर्ण होता है ।

---

(2) चन्द्रश: : स्वयंसं कीं आदित्य ?

उत्तर :
चन्द्रश: : स्वयंसं अस्ति आदित्य ।

Quick Tip
संस्कृत में वाक्य का निर्माण करते समय शब्दों का सही क्रम और उपयोग पर ध्यान दें ।

---

(3) प्रश्नकार : उसका कीम अमिति ?

उत्तर :
प्रश्नकार : अस्ति अमितो ।

Quick Tip
किसी भी प्रश्न का उत्तर देते समय भाषा का स्पष्ट और संक्षिप्त होना आवश्यक है ।

(iv) वारावस्ति कें संबंधस्थिर आस्था ?

उत्तर :
वारावस्ति संबंधस्थिर है आस्था ।

Quick Tip
किसी भी संस्कृत वाक्य का निर्माण करने से पहले उसका अर्थ और उद्देश्य स्पष्ट होना चाहिए ।

---

9. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निम्नलिखित लिखिए :

(1) पर्यावरण संरक्षण के उपाय

उत्तर :
पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है । बढ़ती जनसंख्या, प्रदूषण, और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग हमारे पर्यावरण को संकट में डाल चुका है । पर्यावरण का संरक्षण हमारे जीवन की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है । पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उपायों में सबसे पहले वृक्षारोपण पर जोर दिया जाता है । वृक्षों का महत्व हमारे पर्यावरण में अमूल्य है, क्योंकि वे न केवल ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, बल्कि मृदा का संरक्षण भी करते हैं और जलवायु को संतुलित बनाए रखते हैं ।

इसके अलावा, जल संरक्षण भी एक महत्वपूर्ण उपाय है । बढ़ती पानी की कमी को देखते हुए जल संचयन, वर्षा जल संग्रहण, और जल पुनर्चक्रण जैसी तकनीकों को अपनाना अत्यंत आवश्यक है । कचरा प्रबंधन भी पर्यावरण संरक्षण का एक प्रमुख हिस्सा है । कचरे का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण, और जैविक कचरे का सही तरीके से निस्तारण, इससे न केवल प्रदूषण कम होता है, बल्कि संसाधनों का भी सही उपयोग किया जा सकता है ।
प्रदूषण नियंत्रण के उपायों में उद्योगों से निकलने वाले जहरीले गैसों को नियंत्रित करना, वनों की अन्धाधुंध कटाई को रोकना, और परिवहन के विकल्प के रूप में सार्वजनिक परिवहन का प्रयोग बढ़ाना शामिल है । इन उपायों से पर्यावरण को स्थिर और स्वस्थ बनाए रखना संभव है ।
इस प्रकार, पर्यावरण संरक्षण के उपायों को अपनाकर हम अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और हरा-भरा ग्रह छोड़ सकते हैं ।

Quick Tip
पर्यावरण संरक्षण के उपायों को अपनाकर हम प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण कर सकते हैं ।

---

(2) साहित्य और समाज

उत्तर :
साहित्य और समाज के बीच गहरा और अभिन्न संबंध है । साहित्य न केवल समाज की परिस्थितियों को व्यक्त करता है, बल्कि समाज की सोच और मूल्यों को भी प्रभावित करता है । साहित्य समाज के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि संस्कृति, राजनीति, और सामाजिक असमानता को उजागर करता है । यह समाज के लोगों के दृष्टिकोण को बदलने का एक शक्तिशाली माध्यम है ।
साहित्य के द्वारा समाज के विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाता है, जैसे गरीबी, शिक्षा, जातिवाद, और लिंग असमानता । इससे समाज के भीतर जागरूकता फैलती है और लोग अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझने लगते हैं । साहित्य न केवल मनोरंजन का एक माध्यम है, बल्कि यह समाज में सुधार के लिए भी एक प्रेरणा स्रोत है ।
उदाहरण स्वरूप, भारत के प्रसिद्ध लेखक और कवि महात्मा गांधी और पं नेहरू ने साहित्य के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य किया । उनके लेखन ने भारतीय समाज में स्वतंत्रता संग्राम और समानता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।
इस प्रकार, साहित्य समाज को केवल शिक्षा और मनोरंजन का ही नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार के लिए भी दिशा देता है । यह एक सशक्त माध्यम है जो लोगों के विचारों को बदलने और समाज को बेहतर बनाने में मदद करता है ।

Quick Tip
साहित्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होता, बल्कि यह समाज को दिशा देने का भी कार्य करता है ।

---

(3) मेरी प्रिय पुस्तक

उत्तर :
मेरी प्रिय पुस्तक 'रामायण' है । यह एक महान ग्रंथ है जिसे महर्षि वाल्मीकि ने लिखा । 'रामायण' न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमें जीवन के आदर्शों और नैतिकताओं का गहरा ज्ञान भी प्रदान करती है । इस पुस्तक के पात्रों, विशेष रूप से भगवान श्रीराम, माता सीता, और उनके अनुज लक्ष्मण के जीवन से हम अपने व्यक्तिगत जीवन में बहुत कुछ सीख सकते हैं ।
रामायण में श्रीराम की जीवन यात्रा और उनके संघर्षों का वर्णन किया गया है, जो हमें सत्य, धर्म, और न्याय की महत्ता को समझाता है । यह पुस्तक हमें सिखाती है कि हमें हर परिस्थिति में सत्य का पालन करना चाहिए और अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए । श्रीराम का आदर्श जीवन हमें प्रेरित करता है कि हम अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को निभाते हुए हर समस्या का समाधान शांति और धैर्य से करें ।
रामायण का संदेश है कि जीवन में चाहे जो भी कठिनाइयाँ आएं, अगर हम अपने मार्ग से नहीं भटकते और अपने सिद्धांतों का पालन करते हैं, तो हम हर चुनौती का सामना कर सकते हैं । यह पुस्तक न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से, बल्कि जीवन के हर पहलू से हमें मार्गदर्शन देती है ।

Quick Tip
प्रिय पुस्तक का चुनाव उस पुस्तक के जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के आधार पर करें ।

(iv) नारी सशक्तिकरण

उत्तर :
नारी सशक्तिकरण का उद्देश्य महिलाओं को समाज में समान अधिकार और अवसर देना है । यह महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करता है । नारी सशक्तिकरण न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह समाज में समानता और विकास की प्रक्रिया को गति प्रदान करता है ।
हमारे समाज में लंबे समय से महिलाओं को कई रूपों में भेदभाव का सामना करना पड़ा है, चाहे वह शिक्षा, रोजगार या पारिवारिक जीवन हो । नारी सशक्तिकरण इन सभी चुनौतियों का सामना करने और महिलाओं को अपने अधिकारों का उपयोग करने का अधिकार देता है ।
इसके अलावा, नारी सशक्तिकरण से समाज में सामाजिक न्याय की भावना बढ़ती है, जिससे महिलाओं को अपने निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलती है और वे अपने जीवन को अपने तरीके से जीने में सक्षम होती हैं । इससे समाज में लैंगिक समानता का स्तर बढ़ता है और महिलाएं अपने और समाज के विकास में योगदान देती हैं ।
इस प्रकार, नारी सशक्तिकरण केवल महिलाओं के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की समृद्धि के लिए भी आवश्यक है । जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो समाज और राष्ट्र भी सशक्त होते हैं ।

Quick Tip
नारी सशक्तिकरण समाज के सर्वांगीण विकास के लिए अनिवार्य है ।

(v) विज्ञान की उपयोगिता

उत्तर :
विज्ञान ने हमारे जीवन को हर पहलू में बेहतर और सुविधाजनक बनाया है । यह न केवल हमारे दैनिक जीवन को आसान बनाता है, बल्कि यह चिकित्सा, परिवहन, संचार, और अन्य कई क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास का कारण भी बना है । विज्ञान की खोजों ने मनुष्य के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाया है और उसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है ।
चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान ने असाध्य बीमारियों का इलाज ढूँढा है और नयी चिकित्सा विधियों को विकसित किया है । इससे लोगों का जीवन और स्वास्थ्य बेहतर हुआ है । परिवहन के क्षेत्र में, विज्ञान ने एयरप्लेन, रेल, और स्वचालित वाहन जैसी तकनीकों को जन्म दिया है, जिससे यात्रा करने में समय और लागत की बचत होती है ।
संचार के क्षेत्र में, इंटरनेट और मोबाइल फोन जैसी सुविधाओं ने दुनिया को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है । हम अब किसी भी समय, कहीं भी, दुनिया के किसी भी कोने में संपर्क कर सकते हैं । इसके अलावा, कृषि में विज्ञान ने उच्च गुणवत्ता वाली फसलों और सिंचाई की नई तकनीकों का विकास किया है, जिससे खाद्य उत्पादन में वृद्धि हुई है ।
इस प्रकार, विज्ञान के विकास ने मानवता के सेवा में अभूतपूर्व बदलाव लाए हैं और यह आगे भी दुनिया को बेहतर बनाने के लिए नए रास्ते खोलता रहेगा ।

Quick Tip
विज्ञान के विकास से मानवता की सेवा में अभूतपूर्व बदलाव आया है ।

---

10. अपनी विशेष रुचियों का उल्लेख करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए ।

उत्तर :
प्रिय मित्र,
सादर प्रणाम ।
मुझे आशा है कि तुम स्वस्थ और खुशहाल रहोगे । इस पत्र के माध्यम से मैं तुम्हें अपनी कुछ विशेष रुचियों के बारे में बताना चाहता हूँ । मुझे किताबें पढ़ने का बहुत शौक है, और विशेष रूप से ऐतिहासिक उपन्यास और जीवनी मेरे प्रिय विषय हैं । मैं हमेशा उन पुस्तकों को पसंद करता हूँ जो न केवल मनोरंजन देती हैं, बल्कि मुझे इतिहास और समाज की गहरी समझ भी प्रदान करती हैं । हाल ही में, मैंने 'स्वतंत्रता संग्राम' पर आधारित एक किताब पढ़ी, जिसने मुझे बहुत प्रभावित किया ।
इसके अलावा, मुझे यात्रा करने का भी बहुत शौक है । यात्रा करने से मुझे नए-नए स्थानों के बारे में जानने का अवसर मिलता है, और यह मेरी सोच को विस्तारित करता है । मुझे प्राकृतिक दृश्यों को देखना और विभिन्न संस्कृतियों के बारे में सीखना बहुत पसंद है । पिछली बार जब मैं रेल यात्रा कर रहा था, तो मैंने अपने साथ एक किताब भी ले ली थी, और वह यात्रा मेरे लिए बहुत ही रोमांचक और प्रेरणादायक रही ।
तुमसे मिलने और तुम्हारी रुचियों के बारे में सुनने का इंतजार रहेगा । मुझे उम्मीद है कि तुम जल्दी जवाब दोगे ।
सस्नेह,
(तुम्हारा नाम)

Quick Tip
पत्र लेखन में अपने विचारों को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से व्यक्त करना जरूरी होता है ।

अथवा

रेलवे के महाप्रबंधक को एक शिकायती पत्र लिखिए जिसमें टिकट निरीक्षक द्वारा किए गए अमानवीय व्यवहार का उल्लेख हो ।

उत्तर :
प्रिय महाप्रबंधक,
सादर निवेदन है कि मैं (यात्रा करने की तिथि) को (ट्रेन का नाम) से यात्रा कर रहा था । यात्रा के दौरान मुझे टिकट निरीक्षक से अत्यधिक अमानवीय और असंवेदनशील व्यवहार का सामना करना पड़ा । टिकट निरीक्षक ने न केवल मुझसे असम्मानपूर्वक बात की, बल्कि मेरे साथ अपशब्द भी कहे । उनके व्यवहार ने मुझे काफी आहत किया । मैंने उनकी सेवा के प्रति उच्चतम सम्मान की अपेक्षा की थी, लेकिन उनके व्यवहार ने मेरी यात्रा के अनुभव को पूरी तरह से नकारात्मक बना दिया ।
कृपया इस मामले की जांच करें और इस पर त्वरित कार्रवाई करें ताकि भविष्य में अन्य यात्रियों को भी ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े । मुझे विश्वास है कि आप इस मामले को गंभीरता से लेंगे और आवश्यक कदम उठाएंगे ।
धन्यवाद,
(आपका नाम)
(आपका पता)
(फोन नंबर)

Quick Tip
शिकायती पत्र में विनम्रता और स्पष्टता दोनों महत्वपूर्ण हैं ।